Prabodhan Education Society's

Vidya Prabodhini College of Commerce, Edu., Comp. and Mgmt., Parvari Goa

T.Y B.A B.ED & FOYBABED SEMESTER END EXAMINATION JANUARY 2022

COURSE TITLE & Paper V: Hindi Sahitya: Aadikal Evam Bhaktikaal

Semester: **V & VII** Duration: **2 Hours** Marks: **70**

सूचनाएँ:

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) प्रत्येक नए प्रश्नों के उत्तर नए पन्नों पर ही शुरू करें।

3) प्रश्न क्रमांक और उपप्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।

4)दायी ओर दर्शाएँ हुए अंक प्रश्नों के गुण दर्शाते हैं।

प्र.1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (3×5=15)

I) नाथ साहित्य की किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिए।

II) आदिकाल को वीरगाथा काल नाम किसने दिया और क्यों?

III) पृथ्वीराज रासो के रचयिता कौन है? उसकी विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।

IV) 'मधुर वचन 'के संबंध में कबीर के क्या विचार है?

V) 'संगति से सुख उपजे, कुसंगति से दुख होय'कबीर इस पंक्ति के माध्यम से क्या कहना चाहते है?

प्र.2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए (3×5=15)

I) भक्ति कालीन सांस्कृतिक परिवेश पर प्रकाश डालिए।

II) कृष्ण भक्ति शाखा की किन्हीं दो विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

III) मलिक मुहम्मद जायसी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

IV) कबीर ने निंदक को अपने निकट रखने के लिए क्यों कहा है?

V) ' पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोई 'पंक्ति का अभिप्राय बताइए।

प्र.3.अ निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (05)

I)मन ना रँगाए, रँगाए जोगी कपड़ा

आसन मारि मंदिर में बैठे,

ब्रम्ह-छाँड़ि पूजन लगे पथरा ॥

कनवा फड़ाय जटवा बढ़ौले,

दाढ़ी बाढ़ाय जोगी होई गेलें बकरा ॥

जंगल जाये जोगी धुनिया रमौले

काम जराए जोगी होए गैले हिजड़ा ॥

मथवा मुड़ाय जोगी कपड़ो रंगौले,

गीता बाँच के होय गैले लबरा ॥

कहहिं कबीर सुनो भाई साधो,

जम दरवजवा बाँधल जैबे पकड़ा।

अथवा

ii) तेरा मेरा मनुवां कैसे एक होइ रे। (05)

मै कहता हौं आँखन देखी, तू कहता कागद की लेखी।

मै कहता सुरझावन हारी, तू राख्यो अरुझाई रे ॥

मै कहता तू जागत रहियो, तू जाता है सोई रे।

मै कहता निरमोही रहियो, तू जाता है मोहि रे ॥

जुगन-जुगन समझावत हारा, कहा न मानत कोई रे।

तू तो रंगी फिरै बिहंगी, सब धन डारा खोई रे ॥

सतगुरू धारा निर्मल बाहै, बामे काया धोई रे।

कहत कबीर सुनो भाई साधो, तब ही वैसा होई रे ॥

आ) i)कबीरदास ने धार्मिक पाखंडों पर किस प्रकार प्रहार किया है।पठित पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (5)

अथवा

ii) संत कबीरदास द्वारा वर्णित गुरु महिमा का विश्लेषण कीजिए। (5)

4.अ) आदिकालीन राजनीतिक एवं धार्मिक परिवेश पर प्रकाश डालिए। (10)

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए। (5+5)

i) रासो काव्य परंपरा

ii) सरहपा

5.अ) संत काव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (10)

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए। (5+5)

i) भक्ति कालीन सामाजिक एवं धार्मिक परिवेश।

ii) कृष्ण काव्य में वात्सल्य रस

6) अ) राम काव्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए। (10)

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए। (5+5)

i) सूरदास

ii) जैन साहित्य